सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम, 2019 तथा पश्चात्

एम० ए० (हिन्दी साहित्य), एम० फिल्०

पूर्व पी-एच० डी०

तथा

दक्षता पाठ्यक्रम

(सुगम हिन्दी, मराठी, बँगला, तमिल)

प्रस्तुति

प्रो० प्रेम सुमन शर्मा

विभागाध्यक्ष

प्रो० पवन अग्रवाल

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०)

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित
पाठ्यक्रम, 2019 तथा पश्चात्

एम0 ए0 (हिन्दी साहित्य), एम0 फिल्0

पूर्व पी-एच0 डी0

तथा

दक्षता पाठ्यक्रम

(सुगम हिन्दी, मराठी, बँगला, तमिल)

प्रस्तुति

प्रो0 प्रेम सुमन शर्मा

विभागाध्यक्ष

प्रो0 पवन अग्रवाल

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ0 प्र0)

एम0 ए0 (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : प्राचीन तथा भक्तिकालीन हिन्दी काव्य

निर्धारित पाठ्यक्रम - पूर्णांक : 70

1. चन्दवरदाई- पद्मावती समय
2. रैदास- रैदास बानी-संपा0 डॉ0 शुकदेव सिंह (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
   निर्धारित अंश - संपूर्ण साखियाँ (कुल 14) तथा पद संख्या- 17, 22, 25, 37, 48, 62, 65, 68, 98, 133 (कुल 10 पद)
3. कबीरदास- कबीर ग्रंथावली-संपा0 श्यामसुंदरदास (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
   निर्धारित अंश- गुरुदेव कौ अंग, सुमिरन कौ अंग, बिरह कौ अंग, ग्यान विरह कौ अंग।
4. मलिक मुहम्मद जायसी- जायसी ग्रंथावली- संपा0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
   निर्धारित अंश- सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड।
5. सूरदास- भ्रमरगीतसार- संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   निर्धारित अंश (पद संख्या 51 से 150 तक)
6. तुलसीदास- रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
   निर्धारित अंश (उत्तरकांड : दोहा संख्या 20 से अंत तक)

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 × 3 = 30 अंक**

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई- 1 चन्दवरदाई, रैदास और कबीरदास के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ। **2 X 5 = 10 अंक**

इकाई-2 मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास और तुलसीदास के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ। **2 X 5 = 10 अंक**

इकाई-3 चन्दवरदाई, रैदास और कबीरदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4 मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास और तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : रीतिकालीन हिन्दी काव्य

निर्धारित पाठ्यग्रंथ -रीतिकाव्यधारा- संपादक : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी/डॉ0 रामफेर त्रिपाठी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

निर्धारित पाठ्यक्रम - **पूर्णांक : 70**

1. केशवदास - छन्द संख्या- 1, 2, 3, 5,17, 22, 29, 31, 47, 54, 56, 57, 59, 62, 65 (कुल 15 छन्द)
2. बिहारी - दोहा संख्या- 1, 2, 4, 10, 12, 14, 15, 16, 17, 21, 22, 27, 28, 31, 32, 33, 38, 39, 44, 46, 48, 50, 53, 59, 60, 63, 65, 66, 69, 70 (कुल 30 दोहे)
3. भूषण - छन्द संख्या- 1, 3, 5, 7, 9, 11, 15, 18, 19, 20, 21, 23, 26, 31, 33 (कुल 15 छन्द)
4. देव- छन्द संख्या- 2, 3, 6, 8, 10, 14, 19, 26, 28, 31, 33, 39, 40, 43, 48 (कुल 15 छन्द)
5. घनानन्द- छन्द संख्या- 1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 19, 22 (कुल 15 छन्द)
6. पद्माकर- छन्द संख्या- 1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 18, 20, 21, 25, 26 (कुल 15 छन्द)

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 × 3 = 30 अंक**

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई- 1 केशवदास, बिहारी और भूषण के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ। **2 X 5 = 10 अंक**

इकाई-2 देव, घनानन्द और पद्माकर के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ। **2 X 5 = 10 अंक**

इकाई-3 केशवदास, बिहारी और भूषण पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4 देव, घनानन्द और पद्माकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक) पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य, रासो-काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ। 10 अंक

इकाई-2. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका योगदान, प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ। 10 अंक

इकाई-3. भक्तिकालीन सगुणकाव्यधारा, रामभक्तिशाखा, कृष्णभक्तिशाखा, रामभक्तिशाखा और कृष्णभक्तिशाखा के प्रमुख कवि और काव्यग्रन्थ। 10 अंक

इकाई-4. रीतिकाल की कालसीमा और नामकरण, लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) तथा प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और विशेषताएँ। 10 अंक

चतुर्थ प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से आज तक) पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ, द्विवेदी युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ। 10 अंक

इकाई-2. छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, प्रगतिवाद और नई कविता की विशेषताएँ। 10 अंक

इकाई-3. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ- नाटक, उपन्यास, निबन्ध, कहानी का विकास। 10 अंक

इकाई-4. हिन्दी आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा और रिपोर्ताज का विकास। 10 अंक

एम0 ए0 (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : भारतीय काव्यशास्त्र पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1. काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, अलंकार सम्प्रदाय का परिचय और अलंकारों का वर्गीकरण। 10 अंक

इकाई-2. रीतिसिद्धांत- रीति-परिचय, काव्य-गुण, रीति-वर्गीकरण। वक्रोक्ति सिद्धान्त का परिचय, वर्गीकरण, वक्रोक्ति तथा अभिव्यंजनावाद। 10 अंक

इकाई-3 ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि-काव्य का महत्त्व, शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), औचित्य सिद्धान्त-परिचय, भेद तथा महत्त्व। 10 अंक

इकाई-4. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकालीन प्रमुख आचार्य (केशवदास, भिखारीदास), हिन्दी के प्रमुख आलोचक (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा) 10 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1. प्लेटो के काव्यसिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइनस की उदात्त अवधारणा। 10 अंक

इकाई-2. वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा-सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त। 10 अंक

इकाई-3. शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविलेषणवाद। 10 अंक

इकाई-4. अस्तित्ववाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकतावाद। 10 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ पूर्णांक : 70

निर्धारित पाठ्यक्रम-

1. चिन्तामणि- भाग-1 (निबंध संग्रह) : रामचन्द्र शुक्ल
   निर्धारित निबन्ध : उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करुणा
2. अशोक के फूल (निबंध संग्रह) : हजारीप्रसाद द्विवेदी
   निर्धारित निबन्ध : अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन
3. पथ के साथी (संस्मरण/रेखाचित्र) : महादेवी वर्मा
4. चन्द्रगुप्त (नाटक) : जयशंकर प्रसाद
5. आवारा मसीहा (जीवनी) : विष्णु प्रभाकर
6. अन्या से अनन्या (आत्मकथा) : प्रभा खेतान

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1 'चिन्तामणि भाग-1' तथा 'अशोक के फूल' के निर्धारित निबंधों से व्याख्याएँ। 2 × 5 = 10 अंक

इकाई-2 'चन्द्रगुप्त' तथा 'पथ के साथी' से व्याख्याएँ। 2 × 5 = 10 अंक

इकाई-3 'चिन्तामणि भाग-1' तथा 'अशोक के फूल' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 10 अंक

इकाई-4 'चन्द्रगुप्त', 'आवारा मसीहा' तथा 'अन्या से अनन्या' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 10 अंक

नोट : 'आवारा मसीहा' तथा 'अन्या से अनन्या' से केवल समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, व्याख्या नहीं।

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 70

निर्धारित पाठ्यक्रम-

1. गोदान (उपन्यास) – प्रेमचन्द
2. मैला आँचल (उपन्यास) – फणीश्वरनाथ रेणु
3. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास) -हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. कहानियाँ :
   1. उसने कहा था -चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
   2. ईदगाह -प्रेमचन्द
   3. पुरस्कार -जयशंकर प्रसाद
   4. परदा -यशपाल
5. हिन्दी कहानी संग्रह : सम्पादक- भीष्म साहनी

निर्धारित कहानियाँ :

1. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
2. दोपहर का भोजन – अमरकान्त
3. खोई हुई दिशाएँ – कमलेश्वर
4. परिन्दे – निर्मल वर्मा
5. त्रिशंकु – मन्नू भंडारी
6. वापसी – उषा प्रियम्वदा

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई में पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

इकाई-1 'गोदान' तथा 'मैला आँचल' उपन्यास से व्याख्याएँ। 2 × 5 = 10 अंक

इकाई-2 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास से व्याख्याएँ। 2 × 5 = 10 अंक

इकाई-3 'गोदान' तथा 'मैला आँचल' उपन्यास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक

इकाई-4 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास तथा कहानियों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 10 अंक

नोट : कहानियों पर आधारित केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, व्याख्या नहीं।

एम0 ए0 (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक) पूर्णांक : 70

निर्धारित पाठ्यक्रम-

1- मैथिलीशरण गुप्त- साकेत (नवम् सर्ग)

2- जयशंकर प्रसाद- कामायनी (श्रद्धा सर्ग और लज्जा सर्ग)

3- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'- राम की शक्ति पूजा, सरोज-स्मृति

4- सुमित्रानन्दन पन्त- रश्मिबंध (परिवर्तन, नौका विहार, मौन निमंत्रण)

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1. मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 10 अंक

इकाई-2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और पंत के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 10 अंक

इकाई-3. मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। 10 अंक

इकाई-4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और पंत पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। 10 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य पूर्णांक : 70

निर्धारित पाठ्यक्रम-

1- रामधारी सिंह 'दिनकर'-कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)

2- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'- असाध्यवीणा

3- गजानन माधव 'मुक्तिबोध' - अँधेरे में

4- वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'- मास्टर, बादल को घिरते देखा है, सिंदूर तिलकित भाल, हरिजन-गाथा, कालिदास, अग्निबीज।

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1. दिनकर और अज्ञेय के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 10 अंक

इकाई-2. मुक्तिबोध और नागार्जुन के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 10 अंक

इकाई-3. दिनकर और अज्ञेय पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। 10 अंक

इकाई-4. मुक्तिबोध और नागार्जुन पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। 10 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1. हिन्दी के विभिन्न रूप- संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, मातृभाषा, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण। 10 अंक

इकाई-2. पारिभाषिक शब्दावली, हिन्दी शब्द सम्पदा, पत्रकारिता : स्वरूप, प्रकार एवं इतिहास, समाचार लेखन कला, सम्पादकीय लेखन। 10 अंक

इकाई-3. मीडिया लेखन-श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज, दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, विज्ञापन की भाषा। 10 अंक

इकाई-4. हिन्दी कम्प्यूटिंग-कम्प्यूटर परिचय, इंटरनेट सम्बन्धी उपकरणों का परिचय, लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना तथा प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोड व अपलोडिंग, हिन्दी के साटवेयर पैकेज, अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकार, साहित्यिक अनुवाद-कविता, कहानी और नाटक, अनुवाद के सिद्धान्त, अनुवादक के गुण। 10 अंक

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी भाषा का विकास पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक और लैकिक संस्कृत। मध्ययुगीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत और अपभ्रंश : परिचय एवं विशेषताएँ। आधुनिक आर्यभाषाएँ- सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण। 10 अंक

इकाई-2. हिन्दी की उपभाषाएँ- पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी आदि का सामान्य परिचय, खड़ी बोली, ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी की विशेषताएँ। 10 अंक

इकाई-3. हिन्दी के विविध रूप- राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। 10 अंक

इकाई-4. हिन्दी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन एवं कारक व्यवस्था, देवनागरी लिपि : उद्भव-विकास, विशेषताएँ एवं मानकीकरण। 10 अंक

एम0 ए0 (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि अथवा लेखक

(क) कबीरदास पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

कबीरदास ग्रंथावली- संपादक : श्यामसुन्दर दास

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या- कबीरदास ग्रंथावली

संपादक- श्यामसुन्दर दास (1 से 30 अंग साखी, आरम्भिक 100 पद) 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का व्यक्तित्व, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीरदास का रहस्यवाद, कबीरदास की लोकप्रियता, कबीरदास की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, कबीर की भाषा, कबीरदास के काव्यरूप, साखी, सबद, रमैनी, उलटबांसी, कबीरदास के प्रतीक, कबीरदास के राम, हठयोग, कुंडलिनी जागरण, सद्गुरु की विशेषता, अजपाजप, सहस्रार, अनहदनाद, सुरति-निरति, उन्मनी अवस्था, षट्चक्र, कबीर की भक्ति।

अथवा

(ख) मलिक मुहम्मद जायसी पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

जायसी ग्रन्थावली, संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-पद्मावत (सम्पूर्ण) 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : हिन्दी सूफ़ी काव्यपरम्परा और जायसी, जायसी का जीवनवृत्त और कृतित्व, जायसी की गुरु परम्परा, 'सूफ़ी' शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह-वर्णन, जायसी का प्रेम-निरूपण, जायसी का प्रकृति-चित्रण, पदमावत का काव्यरूप, पदमावत की भाषा, पदमावत-अन्योक्ति अथवा समासोक्ति, पदमावत में इतिहास और अध्यात्म, पदमावत में भारतीय एवं मसनवी प्रेम-पद्धति, पदमावती और नागमती का चरित्र-चित्रण, जायसी ग्रंथावली

में संकलित 'पदमावत' में खण्ड-विभाजन, बारहमासा का वैशिष्ट्य, नखशिख तथा शिखनख वर्णन, पदमावत में निहित महत्त्वपूर्ण उक्तियाँ एवं सूक्तियाँ।

अथवा

(ग) सूरदास पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

सूरसागर, साहित्यलहरी, सूरसारावली।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-'सूरसागर', संपादक-डॉ. धीरेन्द्र वर्मा 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिन्तन, सूर का प्रामाणिक जीवनवृत्त, सूर की प्रामाणिक कृतियाँ, सूरसागर : स्कंधात्मक अथवा संग्रहात्मक-कौन अधिक प्रामाणिक, सूर का प्रकृति वैभव, सूर का वात्सल्य, सूर का शृंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित ब्रज संस्कृति, गोचारण संस्कृति/कृषक संस्कृति, भ्रमरगीत परम्परा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहृदयता और वाग्वैदग्ध्य, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूरसागर की भाषिक संवेदना, सूरसागर का भाषा-शिल्पगत सौन्दर्य, सूर की सौन्दर्य चेतना, भ्रमरगीत में निर्गुण-सगुण-विवाद, सूर के दृष्टकूट पद, सूर साहित्य : रीति साहित्य की प्रयोगशाला, सूर साहित्य में गीतात्मकता, सूरसारावली की प्रामाणिकता, कृष्ण का ऐश्वर्य एवं रस रूप, अष्टसखा, वार्ता साहित्य, रास, राधा, मुरली, दधि लीला और दान लीला का प्रतीकार्थ, सूरसागर में प्रगतिशील तत्त्व।

अथवा

(घ) तुलसीदास पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

रामचरितमानस, गीतावली, श्रीकृष्णगीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-रामचरितमानस-(अयोध्याकांड, सुन्दरकांड), कवितावली-उत्तरकांड। 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : तुलसीदास और उनका युग, तुलसीदास का जीवन-वृत्त (अंत:साक्ष्य और बाह्य साक्ष्य के आधार पर), तुलसी की प्रामाणिक कृतियाँ, विनयपत्रिका में विनय भावना/शीर्षक

की सार्थकता, कृष्णगीतावली का वर्ण्य विषय/उपालम्भ, गीतावली में गीतितत्त्व, वात्सल्य वर्णन, कवितावली में भाव-वैभव और शिल्प-सौष्ठव, बरवै रामायण का शिल्प विधान और प्रस्तुतिकौशल, मानस का अंगी रस, तुलसी काव्य में नीति तत्त्व, तुलसी की भायप भक्ति, मानस के चार मनोहर घाट, तुलसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी का कलिकाल निरूपण, ज्ञान-भक्ति निरूपण, तुलसी काव्य की शैलियाँ, तुलसी का संत-असंत निरूपण, तुलसी का दास्य भाव, मानस का काव्य रूप, तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास के दार्शनिक विचार, तुलसीदास का समन्वयवाद, तुलसी की नारी विषयक अवधारणा, तुलसी काव्य में लोकतत्त्व एवं लोकमंगल, तुलसी काव्य का शिल्प विधान, तुलसीदास की लोकप्रियता का आधार और साहित्यिक वैशिष्ट्य, तुलसीदास का लोकनायकत्व।

अथवा

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त **पूर्णांक : 70**

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

साकेत, यशोधरा, द्वापर, भारत-भारती, विष्णुप्रिया।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) **10 × 3 = 30 अंक**

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-साकेत तथा भारत-भारती **10 + 10 = 20 अंक**

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न **10 + 10 = 20 अंक**

अध्ययन बिन्दु : द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय, साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य, राष्ट्रीय भावना (भारत-भारती के विशेष संदर्भ में), नारी भावना (यशोधरा, द्वापर, विष्णुप्रिया के विशेष संदर्भ में), नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, पारिवारिक दृष्टि, सामाजिक विधान, साकेत का नामकरण, उद्देश्य, नायकत्व, मौलिक उद्भावनाएँ, महाकाव्यत्व, विरह वर्णन, नवम सर्ग का काव्य वैशिष्ट्य, 'भारत-भारती' का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, 'यशोधरा' का प्रतिपाद्य, काव्य वैशिष्ट्य, चरित्र-चित्रण, शिल्पगत प्रयोग 'विष्णुप्रिया' का काव्य वैशिष्ट्य एवं चरित्र-चित्रण, 'द्वापर' का काव्य वैशिष्ट्य, 'द्वापर' में शिल्प प्रयोग, विधृता, बलराम, नारद, कुब्जा प्रसंग की मूल भावना एवं चारित्रिक विधान।

अथवा

(च) जयशंकर प्रसाद **पूर्णांक : 70**

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

कामायनी, आँसू, लहर, स्कन्दगुप्त, काव्य और कला तथा अन्य निबंध।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) **10 × 3 = 30 अंक**

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-कामायनी (चिन्ता, आशा, श्रद्धा, इड़ा, रहस्य और आनन्द सर्ग), स्कन्दगुप्त। **10 + 10 = 20 अंक**

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न **10 + 10 = 20 अंक**

अध्ययन बिन्दु : छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का जीवनवृत्त और कृतित्व, 'कामायनी' की ऐतिहासिकता, दार्शनिक पृष्ठभूमि, रूपक तत्त्व, रहस्यवाद, आधुनिक संदर्भ में कामायनी का वस्तु-विधान, काव्यरूप। 'आँसू'-व्यष्टि एवं समष्टि, काव्यगत सौन्दर्य, आलम्बन और विरह वेदना। 'लहर' की लम्बी कविताओं- 'अशोक की चिन्ता', 'शेरसिंह का आत्मसमर्पण, 'पेशोला की प्रतिध्वनि' और 'प्रलय की छाया' में निहित भावगत-शिल्पगत वैविध्य एवं प्रतिपाद्य, प्रसाद का प्रेम और सौन्दर्य। प्रसाद की नाट्यकला, 'स्कन्दगुप्त' नाटक-अंतर्वस्तु, चरित्रांकन, उद्देश्य एवं मंचीयता। 'काव्य और कला तथा अन्य निबंध'- प्रसाद की निबन्ध कला का वैशिष्ट्य।

अथवा

(छ) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला **पूर्णांक : 70**

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

तुलसीदास, परिमल, कुकुरमुत्ता, निरुपमा।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) **10 × 3 = 30 अंक**

इकाई एक तथा दो : व्याख्या- तुलसीदास, परिमल (मौन, खेवा, निवेदन, प्रार्थना, प्रभाती, शेष, यमुना के प्रति, तुम और मैं, बादलराग-1 से 6, जागो फिर एक बार-1 और 2) **10 + 10 = 20 अंक**

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न **10 + 10 = 20 अंक**

अध्ययन बिन्दु : छायावाद और निराला, निराला का जीवन अवरेख, निराला की काव्य कृतियाँ, निराला की गद्य कृतियाँ, निराला का मुक्त छन्द, कुकुरमुत्ता का केन्द्रीय विषय, निराला की लम्बी कविताएँ, 'जागो फिर एक बार' में जागरण का आशय, शोक गीत, उपन्यासकार निराला, निराला का आत्मकथ्य, प्रकृतिपरक रचनाएँ, दार्शनिक रचनाएँ, प्रेम और सौन्दर्यपरक रचनाएँ, निराला-वैविध्य के कवि, निराला की दार्शनिक विचारधारा, निराला का प्रगतिवादी काव्य, निराला का छायावादी काव्य, राष्ट्रीय चेतना के कवि निराला, निराला के काव्य में गीतितत्त्व, निराला के काव्य का भाषिक वैशिष्ट्य।

अथवा

(ज) प्रेमचंद पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

गबन, प्रेमाश्रम, निर्मला, सेवासदन, मानसरोवर-1

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-निर्मला, सेवासदन। 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न। 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : प्रेमचंद और उनका युग, कथासम्राट प्रेमचंद का अवदान, गबन के पात्र, सेवासदन के पात्र, प्रेमाश्रम का केन्द्रीय विषय, निर्मला की चारित्रिक विशेषताएँ, जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ, सुमन की चारित्रिक विशेषताएँ, संपादक रूप में प्रेमचंद, प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएँ, प्रेमचन्दयुगीन कथाकार, प्रेमचंद के प्रमुख आलोचक, प्रेमचंद की भाषा, प्रेमचंद के साहित्य में ग्राम्य एवं कृषक जीवन, प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री विमर्श, समाज-मनोविज्ञान, प्रेमचंद के उपन्यासों का कथातात्त्विक विवेचन, प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज, प्रेमचंद और गाँधी, प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रगतिशील चेतना, प्रेमचंद के साहित्य में आम आदमी, प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ, प्रेमचंद की भाषा और उनकी भाषायी दृष्टि।

अथवा

(झ) रामचन्द्र शुक्ल पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

चिन्तामणि भाग-1, 2

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक तथा दो : व्याख्या- चिन्तामणि भाग-1 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न। 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : आधुनिक हिन्दी निबंध और रामचंद्र शुक्ल, आलोचक रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्लयुगीन निबंधकार, शुक्लयुगीन आलोचक, संपादक के रूप में आचार्य रामचंद्र शुक्ल, करुणा का केन्द्रीय विषय, 'श्रद्धा-भक्ति' का प्रतिपाद्य, शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय, हिन्दी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान, आलोचना विषयक शुक्ल जी की मान्यता, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध दृष्टि (विषयगत और विषयीगत), परवर्ती हिन्दी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना के समीक्षक।

द्वितीय प्रश्न पत्र

विशिष्ट अध्ययन पूर्णांक : 70

(क) पालि

पाठ्य ग्रन्थ-अभिनव पालि पाठावली (संपादक-डॉ. राजकिशोर सिंह)

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1 अभिनव पालिपाठावली से गद्यानुवाद। 5 + 5 = 10 अंक

इकाई-2 अभिनव पालिपाठावली से पद्यानुवाद। 5 + 5 = 10 अंक

इकाई-3 पालि साहित्य का इतिहास- 10 अंक

सरणषयं, अष्टांगिक मार्ग, आर्य सत्य, धम्मपद, ब्रह्म विहार, बोधिसत्व, निर्वाण, मध्यमा प्रतिपदा, पंचशील और दशशील। पालि शब्द की व्युत्पत्ति, पालि भाषा का परिचय, पिटक साहित्य का परिचय जातकों का महत्त्व, पालि साहित्य का महत्त्व, बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ, बौद्ध धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय, भारतीय संस्कृति में बौद्ध धर्म का योगदान।

इकाई-4 पालि व्याकरण- 10 अंक

सन्धि-सरोलोपो सरे, परोक्वचि, न द्वेवा, यवासरे, गोस्सा वङ्, य एदन्तस्सादेसो, व ओदुदन्तान, दो धस्स च, व्यंजने दीघरस्सा, सरम्हाद्वे।

शब्द रूप- बुद्ध, फल, अग्नि, भिक्षु।

धातु रूप-भू, हस, पठ, गम् के परस्मैपद के लट्, लोट, विधिलिङ्, लृट् लकार के रूप।

प्रत्यय-तव्ब, अनीय, मान।

अथवा

(ख) लोकसाहित्य पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : लोक, लोकवार्ता और लोक साहित्य, लोकवार्ता : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोक साहित्य : परिभाषा प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोकसंस्कृति, लोकमानस, लोकसंगीत, लोकविश्वास, लौकिक रीतिरिवाज एवं परम्पराएँ, लोकसाहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : लोकसाहित्य के विभिन्न रूपों का वर्गीकरण-लोकगाथा (परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति तथा विशेषताएँ), ढोला-मारू, गोपीचन्द, भरथरी, नल-दमयन्ती लैला-मजनूँ, हीर राँझा, सस्सी-पुन्नू, सोहनी-महिवाल, लोरिक-चन्दा, आल्हा, तथा हरदौल। लोकगीत- परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, श्रम-लोकगीत, संस्कार-लोकगीत, ऋतु-लोकगीत, जाति-गीत तथा देवी-देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत। लोककथा-(परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ) लोक-कथा, व्रत-कथा, परी-कथा तथा कथानक रूढ़ियाँ। लोकनाट्य- (परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति,

परम्परा तथा विशेषताएँ), नौटंकी, विदेसिया, रामलीला, रासलीला, भवाई, भांड, तमाशा, जात्रा तथा कथकलि। प्रकीर्ण साहित्य- (परिभाषा, वर्गीकरण और विशेषताएँ), कहावत, लोकोक्ति, मुहावरा और बुझौवल। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी साहित्य और भाषा के विकास में लोकसाहित्य का योगदान, लोकसाहित्य के अध्येताओं का प्रदेय- पं. रामनरेश त्रिपाठी, डॉ. सत्येन्द्र, डॉ. श्याम परमार, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय तथा देवेन्द्र सत्यार्थी। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : अवधी लोकसाहित्य : अवधी लोकसाहित्य का कलात्मक एवं वैचारिक वैशिष्ट्य। लोकगीत -संस्कार- लोकगीत, श्रम-लोकगीत, ऋतु-लोकगीत तथा देवी-देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत। लोक साहित्य के संकलन में आने वाली कठिनाइयाँ एवं निवारण के उपाय। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(ग) पाठालोचन पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : पाठालोचन का अर्थ एवं स्वरूप, पाठालोचन के नामकरण का औचित्य, पाठानुसंधान और पाठ्य संपादन में अंतर, पाठालोचन का महत्त्व और उपयोगिता, पाठालोचन के क्षेत्र, पाठालोचन की प्रासंगिकता, पाठालोचन के विभाग- सामग्री संकलन, पाठसुधार, पाठचयन, और उच्चतर आलोचना। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : पाठांतर के कारण- पाठविकृतियाँ, अर्थ एवं स्वरूप, पाठविकृतियों के कारण, पाठ विकृतियों के भेद-(क) अचेष्टित पाठविकृतियाँ (ख) चेष्टित पाठ विकृतियाँ (ग) प्रक्षेप, पाठ विकृतियों के निवारण के उपाय, हिन्दी काव्य रूपों-प्रबंध और मुक्तक काव्य की पाठ समस्याएँ-स्वीकार, त्याग और संदेह। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : पाठालोचन की प्रविधियाँ (पद्धतियाँ)- अनुदारवादी प्रविधि, उदारवादी प्रविधि, वैज्ञानिक (मिश्रित) प्रविधि, साहित्यिक प्रविधि और संकलनवादी प्रविधि, हिन्दी पाठालोचन का इतिहास- पूर्व मुद्रण युग, ग्रियर्सन युग, ग्रियर्सनोत्तर युग और आधुनिक युग, हिन्दी के प्रमुख समालोचति ग्रंथ- पृथ्वीराज रासो, कबीर ग्रंथावली, पद्मावत, सूरसागर, रामचरितमानस, बिहारी सतसई। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : पाण्डुलिपिकार (प्रतिलिपिकार) की अर्हताएँ, पाण्डुलिपियों के संरक्षण के उपाय, हिन्दी के प्रमुख पाठालोचक-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र और माता प्रसाद गुप्त, फलश्रुति, अंकानां वामतो गति और पुष्पिका का पाठालोचन के क्षेत्र में महत्त्व। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(घ) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-बंगला) पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : तुलनात्मक अध्ययन- अवधारणा, परिभाषा, क्षेत्र-विस्तार, इतिहास-विकास, विधि- प्रविधि, तुलनात्मक अध्ययन के प्रकार- (भेद-प्रभेद), तुलनात्मक अध्ययन की उपादेयता, अध्येता से अपेक्षा, सावधानियाँ, उपलब्धियाँ, सीमाएँ, हिन्दी बंगला साहित्य की तुल्यधर्मिता के समान बिन्दु, बंगला पर हिन्दी प्रभाव के कारण, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका (काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद में समस्याएँ), समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा, भाषायी सौहार्द्र और राष्ट्रीय भावैक्य में तुलनात्मक साहित्य का योगदान। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : हिन्दी-बंगला प्राचीन एवं मध्ययुगीन साहित्य, हिन्दी-बंगला का आरंभिक साहित्य (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य), चर्यागीत, आख्यानक काव्य, मंगल काव्य (मनसा मंगल, चण्डी मंगल, धर्म मंगल आदि), पांचाली साहित्य, विद्यापति और चण्डीदास के काव्य की तुलना, बाउल कवि। हिन्दी भक्त कवियों का बंगला भक्त कवियों पर प्रभाव (भाषागत और भावगत), ब्रजबुलि साहित्य, हिन्दी-बंगला कृष्ण भक्ति परम्परा-उत्तर भारत के कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय और बंगाल के कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय (राधावल्लभ सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, सखी सम्प्रदाय, निम्बार्क सम्प्रदाय, चैतन्य सम्प्रदाय, सहजिया सम्प्रदाय), युगलोपासना, हिन्दी-बंगला रामभक्ति परम्परा-रामभक्ति के विकास में कृतिवासी रामायण और मानस का प्रदेय, कृतिवासी रामायण और मानस की तुलना (चरित्रचित्रणगत और कथावस्तुगत), कृतिवास और तुलसी के राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, रावण, कौशल्या, कैकेयी आदि, हिन्दी-बंगला प्रेमाख्यानक काव्य-जायसी का पद्मावत और आलाऔल की पद्मावती। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : आधुनिक हिन्दी बंगला काव्य साहित्य-रवीन्द्रनाथ टैगोर पर कबीरदास का प्रभाव, टैगोर और हिन्दी के छायावादी कवि, माइकेल मधुसूदन दत्त और उनकी पात्र परिकल्पना, मैथिलीशरण गुप्त का मेघनाथ वध का अनुवाद कितना सफल, कृतिवास और निराला की शक्तिपूजा, काजी नजरुल इस्लाम और हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा, सुभाष मुखोपाध्याय और हिन्दी नवगीत/नव काव्यधारा। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : आधुनिक हिन्दी बंगला गद्य साहित्य-आधुनिक हिन्दी बंगला कथा साहित्य, शरतचन्द्र और प्रेमचन्द (औपन्यासिक कला, पात्र परिकल्पना), शरत और अन्य हिन्दी उपन्यासकार-जैनेन्द्र, इलाचन्द जोशी, अज्ञेय आदि, शरद के नारी पात्र, आधुनिक हिन्दी बंगला कहानी साहित्य, सत्यजीत राय, आशापूर्ण देवी, महाश्वेता देवी का रचना संसार, बंकिमचंद्र का सृजन, हिन्दी बंगला बाल साहित्य, हिन्दी

बंगला प्रारंभिक नाट्य आन्दोलन, जात्रा साहित्य, गीति नाट्य, भारतेन्दु और माइकेल का नाट्य साहित्य, प्रसाद और द्विजेन्द्रलाल राय के नाटक, प्रसादोत्तर-रवीन्द्रोत्तर नाट्य प्रवृत्तियाँ, प्रसाद की ध्रुवस्वामिनी तथा राखालदास की ध्रुवा की तुलना, हिन्दी बंगला नव नाट्यान्दोलन, मोहन राकेश और बादल सरकार। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(ङ) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-तमिल) पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि एवं प्रक्रिया, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ और समाधान, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका, तुलनात्मक अध्ययन और राष्ट्रीय भावैक्य, समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : द्रविड़ भाषा परिवार, हिन्दी-तमिल का भौगोलिक क्षेत्र, हिन्दी-तमिल साहित्य का काल-विभाजन, हिन्दी साहित्य के आदिकाल तथा तमिल साहित्य के आरम्भिक युग का प्रवृत्तिगत वैशिष्ट्य, मीरा और आण्डाल (भक्तिभावना, विरह वेदना), तिरुवल्लुवर और कबीर/तुलसी/बिहारी, सूरदास और पेरियारवाल का वात्सल्य भाव, कुलशेखर आलवार और रसखान की भक्तिभावना, पृथ्वीराज रासो और कलिंगत्तुपरिण, शिलप्पदिकारम्, रामचरितमानस और कम्बरामायण, हिन्दी-तमिल साहित्य का स्वर्णयुग, दिव्यप्रबंधम्, पांचाली शपदम, तोलकाप्पियम्, औवैयार, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : हिन्दी-तमिल नई कविता : स्वरूप और विशेषताएँ, हिन्दी-तमिल कविता में राष्ट्रीय भावना, हिन्दी-तमिल कविता में प्रगतिवादी स्वर, मैथिलीशरण गुप्त और सुब्रह्मण्य भारती (नारी भावना, राष्ट्रीय चेतना), समकालीन हिन्दी-तमिल कविता की प्रवृत्तियाँ, भारतीदासन। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : हिन्दी-तमिल कहानी का प्रवृत्तिगत परिचय, हिन्दी-तमिल के आधुनिक नाट्य साहित्य की विशेषताएँ, वृन्दावनलाल वर्मा और कल्कि का उपन्यासकार व्यक्तित्व, कण्णदासन, कहानीकार प्रेमचन्द और पुदुमैपितन, हिन्दी-तमिल पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी-तमिल निबंध साहित्य, हिन्दी-तमिल आलोचना साहित्य, हिन्दी-तमिल लोकनाटक, हिन्दी-तमिल नीति साहित्य, हिन्दी-तमिल बाल साहित्य। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(च) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-मराठी) पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि एवं प्रक्रिया, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ और समाधान, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका, तुलनात्मक अध्ययन और राष्ट्रीय भावात्मक एकता, तुलनात्मक अध्ययन और समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : प्राचीन मराठी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, मुकुन्दराज और चंदबरदायी, महानुभाव पंथ, वारकरी पंथ, संत ज्ञानेश्वर और कबीरदास (भक्तिभावना, सामाजिक दृष्टि), संत नामदेव, संत तुकाराम और सूरदास की भक्ति भावना, हिन्दी-मराठी निर्गुण भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, हिन्दी की सगुण भक्तिधारा और वारकरी सम्प्रदाय की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, 'रामचरितमानस' और एकनाथ के 'भावार्थ-रामायण' का कथ्यगत वैशिष्ट्य, समर्थ गुरु रामदास, हिन्दी-मराठी रीतिमुक्त काव्य। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : कवि यशवंत और मैथिलीशरण गुप्त, विनायक दामोदर सावरकर की मराठी को देन, हिन्दी-मराठी कविता में राष्ट्रीय भावना, कवि केशवसुत और निराला, कवि कुसुमाग्रज और जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत और त्र्यम्बक बापू जी ठोंमरे 'बालकवि', हिन्दी-मराठी की प्रगतिशील कविता, हिन्दी-मराठी की साठोत्तरी कविता की प्रवृत्तिगत वैशिष्ट्य, समकालीन मराठी कविता। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : हिन्दी-मराठी उपन्यास साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नाटककार अण्णा साहेब किर्लोस्कर, नाटककार मामा वरेरकर और सेठ गोविन्ददास के नाट्य साहित्य की तुलना, विजय तेंडुलकर तथा मोहन राकेश का नाट्य साहित्य, हिन्दी-मराठी के आधुनिक नाट्य साहित्य की विशेषताएँ, मराठी लोक नाट्य 'तमाशा', हिन्दी-मराठी कहानी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, गंगाधर गाडगिल का कहानी साहित्य, कथाकार हरिनारायण आप्टे और प्रेमचन्द, निबन्धकार विष्णुशास्त्री चिपलूणकर, हिन्दी-मराठी का तुलनीय निबन्ध साहित्य, मराठी दलित साहित्य, हिन्दी-मराठी का समीक्षा साहित्य। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(छ) हिन्दी आलोचना साहित्य पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : हिन्दी आलोचना का स्वरूप, हिन्दी आलोचना का इतिहास-शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना, शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ-काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्री, संरचनावादी, शैली वैज्ञानिक, नई समीक्षा, तुलनात्मक। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : हिन्दी आलोचक- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे बाजपेयी। समीक्ष्य कृति-त्रिवेणी (आचार्य शुक्ल), कबीर (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी)। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : हिन्दी आलोचक-डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी। समीक्ष्य कृति-भाषा और समाज (डॉ. रामविलास शर्मा), रस सिद्धान्त (डॉ. नगेन्द्र)। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(ज) रंगमंच विज्ञान पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ : अजातशत्रु-जयशंकर प्रसाद, लहरों के राजहंस- मोहन राकेश, कौमुदी महोत्सव-डॉ. रामकुमार वर्मा, अंधायुग-डॉ. धर्मवीर भारती।

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : भारतीय रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास, रंगमंच के तत्त्व, रंगमंच के प्रकार (भारतीय एवं पाश्चात्य), लोकमंच का स्वरूप, पारम्परिक लोकनाट्य रूप-रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, बिदेसिया, भारतीय रूपक के भेद (सामान्य परिचय)। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : अभिनय की परिभाषा, भरत निर्दिष्ट अभिनय के प्रकार, पाश्चात्य रंग चिन्तक, स्तानिस्लावस्की एवं ब्रेख्त के अभिनय सिद्धांत। भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्त्वों का विवेचन। नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध। दृश्य सज्जा के प्रकार, रंगदीपन और उसके प्रमुख उपकरण। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : अजातशत्रु (जयशंकर प्रसाद), लहरों के राजहंस (मोहन राकेश) से आलोचनात्मक प्रश्न। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : कौमुदी महोत्सव (डॉ. रामकुमार वर्मा), अंधायुग (डॉ. धर्मवीर भारती) से आलोचनात्मक प्रश्न। 1 × 10 = 10 अंक

अथवा

(झ) दलित विमर्श एवं दलित साहित्य पूर्णांक : 70

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ : शम्बूक (खण्डकाव्य)-डॉ0 जगदीश गुप्त।
(केवल तीन अंक- प्रतिपक्ष, छिन्नशीश, आत्मकथ्य)
भीमचरित गाथा (महाकाव्य) महेश प्रसाद श्रमिक
(केवल दो अंक-पूना पैक्ट, संविधान)

कविताएँ : न्याय की पुकार, सदियों से, कौन हैं वे लोग-डॉ0 सोहनपाल सुमनाक्षर
तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? – कँवल भारती
रात में डूबे लोग- मोहनदास नैमिशराय
सुनो ब्राह्मण, मैं आदमी हूँ, आखिरी जंग- मलखान सिंह
ठाकुर का कुआँ, खामोश आहटें, वे नहीं जानते- ओमप्रकाश वाल्मीकि
प्रतिरोध, तुम छोड़ सकोगे, धूर्तता का पहाड़- असंगघोष

कहानियाँ : घुसपैठिए- ओमप्रकाश वाल्मीकि
परिवर्तन की बात-सूरजपाल चौहान
सुरंग-डॉ0 दयानन्द बटोही
चतुरी चमार की चाट-बी0 एल0 नायर
संघर्ष- सुशीला टाकभौरे
फुलवा- रत्न कुमार साँवरिया
समय के शिलालेख - कुसुम मेघवाल
हारे हुए लोग-मोहनदास नैमिशराय
काँच-विपिन बिहारी
तलाश-डॉ0 जयप्रकाश कर्दम

आत्मकथा : जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि (केवल व्याख्या हेतु)
मुर्दहिया – डॉ0 तुलसीराम (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)
मेरा बचपन मेरे कंधों पर – डॉ0 श्यौराज सिंह 'बेचैन' (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)

उपन्यास : छप्पर-डॉ0 जयप्रकाश कर्दम (केवल व्याख्या हेतु)
थमेगा नहीं विद्रोह- उमराव सिंह जाटव (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : व्याख्या-सम्पूर्ण कविताएँ तथा आत्मकथा (जूठन) 10 + 10 = 20 अंक

इकाई दो : व्याख्या- संपूर्ण कहानियाँ तथा उपन्यास (छप्पर) 10 + 10 = 20 अंक

इकाई तीन तथा चार : आलोचनात्मक प्रश्न 10 + 10 = 20 अंक

अध्ययन बिन्दु : समकालीन विमर्श और दलित विमर्श- अभिप्राय, अवधारणा, इतिहास-विचारात्मक पृष्ठभूमि, दलित विमर्श-विविध संदर्भ एवं भूमिका, दलित विमर्श के प्रेरणास्त्रोत, दलित विचार, अन्य सामाजिक, संस्कृति आन्दोलन-बौद्ध साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य एवं संत साहित्य, दलित चेतना, अस्मिता का प्रश्न और गैर दलित साहित्य, दलित साहित्य की प्रामाणिकता। स्वानुभूति-सहानुभूति का प्रश्न, दलित साहित्य के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, दलित साहित्य के सौन्दर्य तत्व-दृष्टिकोण, वस्तु एवं प्रतिमान, अभिव्यक्ति, भाषा, आलोचना।

हिन्दी दलित कविता- अस्तित्व एवं अस्मिता का प्रश्न, हिन्दी दलित कथा साहित्य- संदर्भ और कथावस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य, दलित आत्मकथा-सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक जीवन के दस्तावेज।

अथवा

(ञ) पत्रकारिता और संपादन कला — पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 3 = 30 अंक

इकाई एक : पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, स्वरूप, भारत में पत्रकारिता का उद्भव, विकास और उत्कर्ष काल, पत्रकारिता का आरम्भ, अंग्रेजी समाचार पत्र, स्वतंत्रता से पूर्व हिन्दी पत्रकारिता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता का व्यावहारिक पक्ष, समसामयिक पत्रकारिता की स्थिति, हिन्दी की प्रतिनिधि पत्र-पत्रिकाओं और विशिष्ट पत्रकारों का परिचय। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई दो : संचार, जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, संचार प्रक्रिया के तत्व, जनसंचार माध्यम के विविध रूप, संचार माध्यमों की भाषा-समाचार पत्रों की भाषा, रेडियो की भाषा और दूरदर्शन की भाषा, इन्टरनेट और हिन्दी भाषा, खोजी पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई तीन : समाचार : अर्थ, अवधारणा, परिभाषा, प्रकार, समाचार के स्रोत, समाचार के तत्व, समाचार के मूल्य, समाचार विश्लेषण, समाचार एजेंसियों का इतिहास एवं कार्य, समाचार पत्र संपादन-सिद्धांत एवं स्वरूप, संपादकीय पृष्ठ एवं संपादकीय लेखन, पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा, यात्रा-वृतांत, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन, डाक्यूमेन्ट्री-डाक्युड्रामा लेखन, स्तम्भ लेखन की नई पद्धतियाँ। 1 × 10 = 10 अंक

इकाई चार : मुक्त प्रेस की अवधारणा, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग सामर्थ्य एवं सीमाएँ, वाक स्वातंत्र्य और प्रेस संबंधी अधिनियम-आचार संहिता, मानहानि, न्यायालय अवमानना, स्वत्त्वाधिकार, पंजीयन, प्रेस आयोग, प्रेस परिषद् और प्रसार भारती। 1 × 10 = 10 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान — पूर्णांक : 70

प्रथम प्रश्न : अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति, भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति। साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता। भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक। 10 अंक

इकाई-2 स्वन विज्ञान का स्वरूप और परिभाषा, वाग्वयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वन का वर्गीकरण, मानस्वर। 10 अंक

इकाई-3 अर्थ विज्ञान का स्वरूप, अर्थ की अवधारणा, शब्द और पद, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। 10 अंक

इकाई-4 रूप विज्ञान का स्वरूप, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, वाक्य संरचना। 10 अंक

चतुर्थ प्रश्न पत्र : मौखिकी — पूर्णांक : 100

एम0 फिल् (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : शोध प्रविधि

पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई से पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न करना होगा।

इकाई-1 शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, विभिन्न पर्याय, अनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधान आदि की परिभाषा। शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्धारण, निर्देशन, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि। 10 अंक

इकाई-2 शोध-सामग्री संकलन की विविध प्रणालियाँ-पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध-पत्र, आधार-ग्रन्थ आदि का पारायण। शोध-कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली, कार्ड-निर्माण, अनुक्रमणिका आदि तैयार करना। 10 अंक

इकाई-3 शोध-कार्य का आकलन, अनुक्रमणिका निर्माण, भूमिका-लेखन, पाद-टिप्पणी एवं परिशिष्ट-लेखन, सन्दर्भग्रन्थ सूची, पाण्डुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूलन और प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण। 10 अंक

इकाई-4 शोध-भाषा का स्वरूप, शोध-भाषा, समीक्षा-भाषा, सर्जनात्मक-भाषा में साम्य एवं वैषम्य। शोध-चिह्न आरेख तथा अंक आदि का उपयोग। अनुच्छेदीकरण, विरामांकन आदि। हिन्दी शोध का स्वरूप-विकास, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ, सोपाधि एवं निरुपाधि शोध। 10 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई से पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न करना होगा।

इकाई-1 विचारधारा और साहित्य, हिन्दी साहित्य का आदिकालीन काव्य (नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य) मध्यकालीन बोध का स्वरूप, भक्तिकाल की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ। भक्ति आन्दोलन और लोक चेतना। 10 अंक

इकाई-2 भक्ति आन्दोलन, विभिन्न दार्शनिक मत (अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद) संत कवियों की लोकचेतना, कबीर की सामाजिक चेतना। 10 अंक

इकाई-3 सूफ़ी मत का विकास, सूफ़ी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोकजीवन ,पुष्टिमार्ग के सिद्धान्त, कबीर और जायसी का साहित्यिक और सांस्कृतिक अवदान। 10 अंक

इकाई-4 रामभक्ति काव्य और कृष्ण भक्तिकाव्य में चित्रित भारतीय संस्कृति और लोकजीवन, सूरकाव्य में लोकचेतना, तुलसी का समन्वयवाद, भक्तिकाव्य का साहित्यिक और सांस्कृतिक अवदान। 10 अंक

एम0 फिल् (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी साहित्य और विचारधाराएँ

पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई से पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न करना होगा।

इकाई-1 विचारधारा और साहित्य, आधुनिक बोध का स्वरूप, परम्परा और आधुनिकता, मध्ययुगीनबोध और आधुनिकबोध में साम्य-वैषम्य, राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता। 10 अंक

इकाई-2 पुनर्जागरण और भारतेन्दु का काव्य, द्विवेदीयुग और लोकजागरण। छायावाद और अध्यात्मवाद, गांधीवाद, लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता। 10 अंक

इकाई-3 मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तरआधुनिकतावाद, समाजवाद। 10 अंक

इकाई-4 दलित चेतना, स्त्री विमर्श, आँचलिकता और महानगरीय बोध, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य का इतिहासदर्शन, साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन। 10 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र

आधुनिक भारतीय साहित्य (हिन्दी में अनूदित रचनाओं पर आधारित)

पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

निम्नलिखित प्रत्येक इकाई से पूछे गये दो प्रश्नों में से एक प्रश्न करना होगा।

इकाई- 1 भारतीय साहित्य : स्वरूप एवं अवधारणाएँ

1-भारतीय साहित्य का स्वरूप

2-भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3-भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4-हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई- 2 कविता

1-सुनील गंगोपाध्याय (बांग्ला) - थोड़ी सी प्यार की बातें
2-कण्णदासन (तमिल) - कवि अनुभूति
3-जी. शंकर कुरुप (मलयालम) - बाँसुरी
4-नारायण सुर्वे (मराठी) - मुश्किल होता जा रहा है
5-सीताकान्त महापात्रा (उड़िया) - कवि कर्म
6-श्रीश्री (तेलुगु)-मैं ने भी

इकाई-3 कथा साहित्य

उपन्यास :
रवीन्द्रनाथ टैगोर (बांग्ला) - गोरा
प्रतिभा राय (उड़िया) - द्रौपदी

कहानी :
1- कुर्रतुल-एन-हैदर (उर्दू) - अगले जन्म मोहि बिटिया ही कीजो
2- एम.टी. वासुदेव नायर (मलयालम) -दुश्मन
3- इन्दिरा गोस्वामी (असमिया) - एक अविस्मरणीय यात्रा

इकाई- 4 नाटक

1- विजय तेन्दुलकर (मराठी) - घासीराम कोतवाल
2- गिरीश कर्नाड (कन्नड़) - हयवदन

एम0 फिल् (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र - लघु शोध प्रबन्ध — पूर्णांक : 100

द्वितीय प्रश्नपत्र - मौखिकी — पूर्णांक : 100

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

पूर्व पीएच.डी. पाठ्यक्रम (अवधि : छः माह)

प्रथम प्रश्नपत्र-लिखित परीक्षा : 70 अंक — शोध परियोजना एवं प्रस्तुति : 30 अंक

अनुसंधान प्रविधि

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1 शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, विभिन्न पर्याय, अनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधान आदि की परिभाषा। शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्धारण, निर्देशन, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि। 10 अंक

इकाई-2 शोध-सामग्री संकलन की विविध प्रणालियाँ-पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध-पत्र, आधार-ग्रन्थ आदि का पारायण। शोध-कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली, कार्ड-निर्माण, अनुक्रमणिका आदि तैयार करना। 10 अंक

इकाई-3 शोध-कार्य का आकलन, अनुक्रमणिका निर्माण, भूमिका-लेखन, पाद-टिप्पणी एवं परिशिष्ट-लेखन, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, पाण्डुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूलन और प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण। 10 अंक

इकाई-4 शोध-भाषा का स्वरूप, शोध-भाषा, समीक्षा-भाषा, सर्जनात्मक-भाषा में साम्य एवं वैषम्य। शोध-चिह्न आरेख तथा अंक आदि का उपयोग। अनुच्छेदीकरण, विरामांकन आदि। हिन्दी शोध का स्वरूप-विकास, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ, सोपाधि एवं निरुपाधि शोध। 10 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र-लिखित परीक्षा : 70 अंक शोध परियोजना एवं प्रस्तुति : 30 अंक

मध्ययुगीन तथा आधुनिक साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 × 3 = 30 अंक

इकाई-1 साहित्य का स्वरूप, हिन्दी साहित्य का आदिकालीन काव्य (नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य), भक्ति आंदोलन और लोकचेतना, विभिन्न दार्शनिक मत-अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद। 10 अंक

इकाई-2 सूफ़ी काव्य का स्वरूप, सूफ़ी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोकजीवन, पुष्टिमार्ग और सूरदास, कबीर और जायसी का साहित्यिक और सांस्कृतिक अवदान, संत कवियों की लोकचेतना, रामभक्ति काव्य और कृष्णभक्ति काव्य में चित्रित भारतीय संस्कृति, तुलसी का समन्वयवाद, भक्तिकाव्य का साहित्यिक और सांस्कृतिक अवदान। 10 अंक

इकाई-3 आधुनिक , आधुनिकता, आधुनिकीकरण, आधुनिक बोध का वैश्विक स्वरूप, परम्परा और आधुनिकता, मध्ययुगीनबोध और आधुनिक बोध में साम्य- वैषम्य, राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता, हिन्दी नवजागरण : पाठ-पुनर्पाठ, स्वतंत्रता, मुक्ति, राष्ट्रीय जागरण तथा छायावाद और छायावादोत्तर साहित्य, गांधीवाद और लोकतंत्र। 10 अंक

इकाई-4 आधुनिक विचारधाराएँ-मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, विमर्शमूलक साहित्य-स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श और हाशिए का समाज, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन। 10 अंक

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

दक्षता प्रमाणपत्र

सुगम हिन्दी (200 अंक)

(केवल विदेशियों और अहिंदी भाषियों के लिए) (अवधि-एक वर्ष)

प्रथम प्रश्नपत्र

(क) प्रारंभिक हिन्दी का स्वरूप-100 अंक

इकाई-1 हिंदी वर्णमाला- (i) स्वर, व्यंजन, संयुक्ताक्षर-परिचय और अभ्यास, (ii) वर्णो के उच्चारण का रूप-परिचय और प्रशिक्षण, (iii) हिन्दी वर्णों का अंग्रेजी वर्णो में रूपांतरण, (iv) वर्तनी-विचार-स्वर एवं व्यंजन संबंधी अशुद्धियाँ और शुद्धीकरण।

इकाई-2 अनुवाद प्रशिक्षण - हिन्दी-अनुवाद- (i) अनुवाद, अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता और उपयोगिता, (ii) हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद, (iii) सामान्य नियम, (iv) वाक्य परिचय, (v) अभ्यास।

इकाई-3 अंग्रेजी-अनुवाद- (i) अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, (ii) सामान्य नियम, (iii) अंग्रेजी और हिन्दी वाक्य रचना की तुलना, (iv) विराम चिह्न : परिचय और प्रयोग, (v) अभ्यास।

इकाई-4 (i) भाषायी-कौशल, (ii) संवाद/संभाषण, (iii) हिन्दी कोश : देखने की प्रविधि, (iv) श्रुत-लेखन।

द्वितीय प्रश्नपत्र

मौखिकी -100 अंक

(क) परियोजना (प्रोजेक्ट) - 40 अंक

(i) लघु निबंध-5 शीर्षकों पर, (ii) अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद-5 अनुच्छेद (पैराग्राफ़), (iii) हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद-5 अनुच्छेद (पैराग्राफ़), (iv) विराम चिह्नों से संबंधित अभ्यास।

(ख) मौखिक अभ्यास - 60 अंक

(i) हिन्दी भाषी राज्यों के नाम, (ii) हिन्दी के प्रमुख रचनाकारों और उनकी एक-एक रचना का नाम। कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, रसखान, बिहारीलाल, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', हरिवंशराय 'बच्चन'।

दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (मराठी)

दक्षता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र की अवधि तीन घण्टे होगी और पूर्णांक 100 होगा।

मराठी भाषा

प्रथम प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये प्रश्न प्रथम प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 4 × 10 = 40 अंक

यूनिट-1. इस यूनिट में स्वर-व्यंजन (वर्णाक्षर ज्ञान) और शब्द योजना से संबंधित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-2. इस यूनिट में प्रारम्भिक व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-3. इस यूनिट में हिन्दी से मराठी में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-4. इस यूनिट में मराठी से हिन्दी में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये प्रश्न द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 4 × 10 = 40 अंक

यूनिट-1 यह यूनिट व्याख्याओं से संबंधित होगी। कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो करनी अनिवार्य होंगी। 15 अंक

यूनिट-2 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो गद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

यूनिट-3 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो पद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

यूनिट-4 इस यूनिट में मराठी साहित्य के इतिहास से सम्बन्धित दो प्रश्न होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (बँगला)

दक्षता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे होगी और पूर्णांक 100 होगा।

बँगला भाषा

प्रथम प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये प्रश्न प्रथम प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 4 × 10 = 40 अंक

यूनिट-1 इस यूनिट में स्वर-व्यंजन (वर्णाक्षर ज्ञान) और शब्द योजना से संबंधित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-2 इस यूनिट में प्रारम्भिक व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-3 इस यूनिट में हिन्दी से बँगला में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

यूनिट-4 इस यूनिट में बँगला से हिन्दी में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। 15 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 4 × 10 = 40 अंक

यूनिट-1 यह यूनिट व्याख्याओं से संबंधित होगी। कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो करनी अनिवार्य होंगी। 15 अंक

यूनिट-2 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो गद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

यूनिट-3 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो पद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

यूनिट-4 इस यूनिट में बँगला साहित्य के इतिहास से सम्बन्धित दो प्रश्न होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। 15 अंक

दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (तमिल)

दक्षता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे होगी और पूर्णांक 100 होगा।

तमिल भाषा

प्रथम प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये प्रश्न प्रथम प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। **4 × 10 = 40 अंक**

यूनिट-1 इस यूनिट में स्वर-व्यंजन (वर्णाक्षर ज्ञान) और शब्द योजना से संबंधित प्रश्न होंगे। **15 अंक**

यूनिट-2 इस यूनिट में प्रारम्भिक व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। **15 अंक**

यूनिट-3 इस यूनिट में हिन्दी से तमिल में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। **15 अंक**

यूनिट-4 इस यूनिट में तमिल से हिन्दी में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। **15 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र — 100 अंक

प्रथम प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। ये प्रश्न द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। **4 × 10 = 40 अंक**

यूनिट-1 यह यूनिट व्याख्याओं से संबंधित होगी। कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी जिनमें से दो करनी अनिवार्य होंगी। **15 अंक**

यूनिट-2 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो गद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। **15 अंक**

यूनिट-3 इस यूनिट में दो प्रश्न होंगे जो पद्य पर आधारित होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। **15 अंक**

यूनिट-4 इस यूनिट में तमिल साहित्य के इतिहास से सम्बन्धित दो प्रश्न होंगे जिनमें से एक करना अनिवार्य होगा। **15 अंक**